



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-280

कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में

उरई (जालौन) मंगलवार 22 सितम्बर 2026

youngbharatepaper.com

2017 से पहले नियुक्ति के नाम पर ग़दर मचाने वाले गिनते जाएं, हम नौकरी देते जाएंगे', सीएम योगी का अखिलेश पर तीखा हमला



(यंग भारत न्यूज़)
लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं में चयनित 818 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटे। लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने नियुक्ति पत्रों का वितरण किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की पहले की सरकारों की कार्यशैली पर सवाल उठाए और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाना बनाया। उन्होंने अखिलेश यादव पर तंज



कसते हुए कहा कि 2017 से पहले नियुक्ति के नाम पर ग़दर मचाने वाले गिनती करते चलें, हम नौकरी देते जाएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में बेरोजगारी का जिक्र करते हुए यूपी की योगी सरकार को निशाना बनाया था। मुख्यमंत्री योगी ने अगले छह महीने में प्रदेश में एक लाख युवाओं को

सरकारी नौकरी देने के वादे पर अखिलेश यादव के तंज का तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम लगातार नियुक्ति पत्र दे रहे हैं, आप काउंट करते जाएं, हम नौकरियां देते जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि, हमने उत्तर प्रदेश के युवाओं की क्षमता को राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए एक अवसर माना। जिस उत्तर प्रदेश को 2017 से पहले सबसे गरीब माना जाता था वही उत्तर प्रदेश पिछले छह साल से लगातार रेवन्यू सरप्लस स्टेट है। यह देश के ग्रोथ इंजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उत्तर प्रदेश आज देश में टॉप तीन इकोनॉमी में गिना जा रहा है। अब हमारे नौजवानों के सामने रोजगार का संकट नहीं है। यूपी के नौजवानों को यूपी में भी नौकरी मिल रही है।

पिता का शव पहुंचते ही 4 साल की बेटी के साथ हुआ ऐसा कि उठानी पड़ी दूसरी अर्थी, रो पड़ा पूरा गांव

(यंग भारत न्यूज़)

उन्नाव के मीरावां क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया. भगवान थोक मवई निवासी 30 वर्षीय श्यामबाबू की पेड़ से गिरने के 37 दिन बाद लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई. पोस्टमार्टम के बाद शनिवार दोपहर करीब तीन बजे उनका शव घर पहुंचा.

परिवार पिता की मौत के सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि उनकी चार वर्षीय बेटी अल्लों की भी मौत हो गई. पिता-पुत्री की मौत से गांव में मातम पसर गया. लकड़ी काटते समय पेड़ से नीचे गिर गए थे श्यामबाबू बताया गया कि 13 अगस्त को श्यामबाबू गांव के ठेकेदार राधेश्याम के साथ लकड़ी काटने गए थे. सरप्लस स्टेट है। यह देश के ग्रोथ इंजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उत्तर प्रदेश आज देश में टॉप तीन इकोनॉमी में गिना जा रहा है। अब हमारे नौजवानों के सामने रोजगार का संकट नहीं है। यूपी के नौजवानों को यूपी में भी नौकरी मिल रही है।



उनका इलाज लगातार चल रहा था. काफी समय तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद शनिवार देर रात श्यामबाबू ने दम तोड़ दिया. पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रविवार दोपहर उनका शव घर लाया गया. शव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई. पत्नी बिटोल पति का शव देखकर बेसुध हो गई. इसी बीच परिवार को एक और ऐसी

खबर मिली, जिसने पूरे घर को झकझोर दिया. श्यामबाबू की चार वर्षीय बेटी अल्लों करीब एक सप्ताह से बुखार से पीड़ित थी. परिजन स्थानीय स्तर पर दवा देकर उसका इलाज करा रहे थे. पिता का शव घर पहुंचने के कुछ ही समय बाद अल्लों की भी मौत हो गई. एक तरफ पति का शव और दूसरी तरफ मासूम बेटी की मौत ने मां बिटोल को पूरी तरह तोड़

दिया. परिवार में एक साथ दो मौतों से चीख-पुकार मच गई. श्यामबाबू चार संतानों के पिता थे. उनके परिवार में दो बेटे भोंदू और अनुभव तथा दो बेटियां नीलू और अल्लों थीं. चार भाई-बहनों में अल्लों तीसरी संतान थी. पिता और बेटी की मौत के बाद गांव में हर आंख नम दिखाई दी. खेत में श्यामबाबू का अंतिम संस्कार किया गया, जबकि पास ही उनकी मासूम बेटी अल्लों को मिट्टी दी गई. दोहरे सदमे के बीच परिजनों ने पूर्व में दर्ज मुकदमे में थाराएं बढ़ाने और लकड़ी कटाई के दौरान हुई घटना की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है. उनका कहना है कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

चंद्रशेखर ने यूपी की 42 सीटों पर घोषित किए उम्मीदवार

वेस्ट यूपी की भी 10 सीटें शामिल, देखिए पूरी लिस्ट

(यंग भारत न्यूज़)
यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आजाद समाज पार्टी ने 42 विधानसभा प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। इस सूची में अनुसूचित जाति के सबसे ज्यादा 20 उम्मीदवार शामिल हैं। इनके अलावा 13 ओबीसी और 9 मुस्लिम उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। इसके साथ ही आजाद समाज पार्टी यूपी में अब तक 87 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर चुकी है। आजाद समाज पार्टी के एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूपी चुनाव के लिए प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की गई है। बताया गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्र शेखर आजाद के निर्देश एवं प्रदेश कमेटी की संस्तुति पर विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। बताया गया कि 31 जुलाई को विधानसभा प्रभारियों की पहली सूची जारी किए जाने के बाद अब संगठनात्मक तैयारियों को और मजबूत करते हुए यह दूसरी सूची जारी की जा रही है। बता दें कि आजाद समाज पार्टी भी बसपा की तर्ज पर जिनको विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारी नियुक्त करती है, वही प्रत्याशी होते हैं।

कितना कहां से मिला टिकट ?
मुजफ्फरनगर –मीरपुर सीट- रविंद्र



भाटी
संभल- चंदौसी सीट - रमेश गंधर्व
रामपुर - स्वार सीट - इरफ़ान अल्वी
अमरौहा - हसन पुर सीट - चौधरी शाहनवाज
बुलंदशहर - सिकंदराबाद सीट - ललित भाटी
अलीगढ़- शहर सीट - फ़रीद अल्वी प्रधान
एटा - मरहरा सीट - चंद्र प्रकाश
एटा-जलेसर - प्रवेन्द्र कुमार
बरेली - मीरगंज सीट - डॉ जावेद
बरेली- भोजीपुरा सीट - खुशींद में
लखीमपुर खीरी- धौरहरा सीट - सुरेश चंद्र लोधी
सीतापुर- सिंधौली सीट - बाल गोविंद राजवंशी
हरदोई - सांडी सीट - जय प्रकाश
उन्नाव - बंगारमऊ सीट - मुसबिखर खान

उन्नाव-सफीपुर - राज कुमार गौतम
उन्नाव-मोहान - मनोज कुमार
रायबरेली - सरनी - केशवलाल रावत
अमेठी - जगदीश पुरम- सुनील राज
अमेठी-गौरीगंज - दिनेश साहू
सुल्तानपुर- सदर सीट- अनीस अहमद खां
फर्रुखाबाद - कायमगंज सीट - रविंद्र पाल सिंह
औरैया-औरैया - विजय जे गौतम
कानपुर देहात - सिकंदरा सीट - रविंद्र पाल फौजी
कानपुर नगर - घाटमपुर सीट - अर्पित आजाद
झांसी - गरौठा - पीतांबर पटेल
बांदा - नरैनी सीट - सुनील कुमार वर्मा
प्रयागराज - फूलपुर - शाहिद अख्तर खान
प्रयागराज-करछना - चंदन पासी

प्रयागराज - कोराव - दिनेश चौधरी
बाराबंकी - सदर सीट - कपिल वर्मा पटेल
बाराबंकी-हैदराबाद - रामहेत रावत
अयोध्या - गोसाइगंज- मनोज कुमार यादव
अंबेडकर - अकबरपुर - महेंद्र राजभर
बहराइच- बलहा - जेपी राव
बलरामपुर- बलरामपुर- लालजी लहरी
गोंडा -गोंडा सदर - मोबीन अहमद
गोंडा-गौरा सीट - सुरेश यादव
सिद्धार्थनगर - इटवा - कालीचरण यादव
मऊ - मुहम्मदाबाद - प्रेमचंद्र राम
चंदौली - चकिया - सिद्धार्थ प्राण बाहू
वाराणसी- शिवपुर - मनोज कुमार यादव
सोनभद्र - रोबर्ट्सगंज - राहुल कुमार

हर विधानसभा में बीजेपी के 27000 वोट कम करेगी सपा'

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में अखिलेश ने की खास रणनीति तैयार

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज़)

लखनऊ : 2027 विधानसभा चुनाव जीतने के लिए समाजवादी पार्टी ने खास रणनीति तैयार की है। रविवार को प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में सपा 27,000 वोट बढ़ाएगी और हर विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी के 27,000 वोट कम करेगी। बैठक के बाद पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि 10 साल की भाजपा सरकार में हर वर्ग दुखी है। कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान बाबा साहेब की 151 से ज्यादा

मूर्तियां तोड़ी गईं। सपा मुखिया ने बताया कि 72 जिलों में प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त की गईं। लेकिन 14 मामलों में ही गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने बेरोजगारी और पेपर लीक के मुद्दे भी उठाए। अखिलेश यादव ने कहा कि नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं है और बड़े पैमाने पर उनका हक अधिकार छीना गया, आरक्षण छीना गया। अखिलेश ने कहा कि नौकरी के लिए कह रहे हैं, आज 900 लोगों को जो है नौकरियां दे रहे हैं, पहली नौकरी दे रहे हैं। चुनाव के लालच में देना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि देश में पेपर लीक हुए जिससे कि सरकारी नौकरी ना देनी पड़ जाए। देश में अगर पेपर लीक हुए तो सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश



में पेपर लीक हुए हैं। जमीनों का घोटेला हुआ है। 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर लखनऊ में बैठक बुलाई गई थी। इसमें एटा और कासगंज के करीब 250 वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद थे। एटा जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष योगेंद्र सिंह यादव और सपा नेता मंजीत यादव के बीच बहस हो गई। पूरा मामला अखिलेश के सामने हुआ। इसका विडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना के बाद एटा और कासगंज के जिलाध्यक्ष हटा दिए गए। दोनों जिलों की जिला कार्यकारिणी भी भंग कर दी गई। साथ ही दोनों जिलों की सभी फ्रंटल इकाइयों को भी भंग कर दिया गया है।

टाटा का विशाल कारोबार क्या परिवार के हाथ से निकल जाएगा, जानिए क्या है विवाद

(यंग भारत न्यूज)

भारत के सबसे बड़े कारोबारी समूह टाटा सन्स के बोर्डरूम में जारी संघर्ष ख़त्म होता नहीं दिख रहा है. गुरुवार को यह टकराव और तेज हो गया, जब निदेशकों ने टाटा सन्स के कार्यकारी चेयरमैन के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन किया.दूसरी तरफ़ ग्रुप के सबसे बड़े शेयरधारक ने इस मतदान को अवैध करार दिया है. विवादित बोर्ड बैठक में निदेशकों ने टाटा सन्स को शेयर बाज़ार में लिस्ट कराने की तैयारियों को मंजूरी दी. इस फ़ैसले का भी नोएल टाटा ने विरोध किया.

नोएल टाटा टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन हैं. टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी ‘टाटा सन्स’ में टाटा ट्रस्ट्स की लगभग 66% हिस्सेदारी है. टाटा के डेढ़ सौ साल से ज्यादा पुराने इतिहास में एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल बढ़ाए जाने को काफी अहम माना जा रहा है. जिस बैठक के बाद टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पाँच साल बढ़ाने का फ़ैसला बोर्ड ने किया, उसे लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हो सकती है. चंद्रशेखरन ने नाटकीय रूप से अपनी योजना में बदलाव किया. वह नोएल टाटा के साथ जारी बोर्डरूम संघर्ष के बीच फ़रवरी में पद छोड़ने वाले थे. नोएल टाटा ही एकमात्र निदेशक थे, जिन्होंने चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने के ख़िलाफ़ मतदान किया. चंद्रशेखरन ने अगस्त में इस असहमति को भी पद छोड़ने का एक कारण बताया था. चंद्रशेखरन ने अगस्त महीने के बीच में अचानक घोषणा की थी कि वह दोबारा नियुक्ति की मांग नहीं करेंगे. यह फ़ैसला उनके कार्यकाल को बढ़ाने को लेकर कई महीनों से चल रहे बोर्ड गतिरोध के बाद आया था. लेकिन अचानक से चीज़ें बदल गई. टाटा सन्स सेमीकंडक्टर मैनुफ़ैक्चरिंग में अरबों डॉलर के निवेश की दिशा में आगे बढ़ रही है और इसके ब्रैंड्स में ताज होटल्स से लेकर चाय तक शामिल हैं. टाटा ग्रुप के तहत आने वाली 32 कंपनियों में 26 शेयर बाज़ार में लिस्टेड हैं. टाटा सन्स के क़रीब 66% हिस्से पर 13 चैरिटेबल संस्थाओं के समूह टाटा ट्रस्ट्स का नियंत्रण है, जबकि ग्रुप की कंपनियों के पास टाटा सन्स के क़रीब 13% शेयर हैं.टाटा ट्रस्ट्स की अगुआई नोएल टाटा करते हैं, जिन्होंने अक्टूबर 2024 में अपने सौतेले भाई रतन टाटा के निधन के बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी. रतन टाटा समूह के मुखिया और भारत के सबसे प्रमुख कारोबारी में से एक थे. नोएल टाटा की अध्यक्षता वाले चैरिटेबल संस्थाओं के समूह टाटा ट्रस्ट्स ने तुरंत चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने के मतदान को अवैध करार दिया. नोएल टाटा ने बैठक के दौरान बोर्ड से कहा, ‘अभी चेयरमैन पद को लेकर किया गया कोई भी फ़ैसला, किसी भी ऐसे शेयरधारक की ओर से गंभीर क़ानूनी चुनौती के दायरे में आ सकता है, जो इसे चुनौती देना चाहे.’ ब्रिटिश अख़बार फ़ाइनॅशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है, ‘बैठक की जानकारी रखने वाले दो लोगों के मुताबिक़, भारतीय रिज़र्व बैंक के उस निदेश का पालन करने के फ़ैसले के ख़िलाफ़ी भी नोएल टाटा ही एकमात्र निदेशक थे. आरबीआई ने टाटा सन्स को शेयर बाज़ार में लिस्ट होने के लिए कहा है.आरबीआई ने पिछले हफ़्ते टाटा की उस अपील को ख़ारिज कर दिया था, जिसमें होल्डिंग कंपनी को लिस्ट करने के नियमों से छूट देने की मांग की गई थी. एफ़टी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है, ‘विश्लेषकों के अनुमान के मुताबिक़ शेयर बाज़ार में लिस्ट होने पर टाटा सन्स का मूल्यांकन 120 अरब डॉलर से ज्यादा हो सकता है, जिससे यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ बन जाएगा. इससे टाटा समूह के स्वामित्व और संचालन व्यवस्था में बड़ा बदलाव



आएगा, जो एक सदी से भी ज्यादा समय से कुछ चुनिंदा हाथों में रही है.’’ कंपनी ने एक बयान में कहा कि बोर्ड ने टाटा सन्स को लिस्ट करने के आरबीआई के आदेश का पालन करने के लिए क़दम उठाने की प्रक्रिया शुरू करने का फ़ैसला किया है. एफ़टी की रिपोर्ट के मुताबिक़, ‘ग्रुप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बोर्ड के फ़ैसलों को अदालत में चुनौती दिए जाने की उम्मीद है. कंपनी के संविधान के मुताबिक, किसी भी रणनीतिक प्रस्ताव के लिए चैरिटेबल ट्रस्टों के नामित निदेशकों के बहुमत की सहमति ज़रूरी है. लेकिन फ़िलहाल टाटा सन्स के बोर्ड में ट्रस्टों के सिर्फ़ दो नामित निदेशक हैं, नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन. श्रीनिवासन ने गुरुवार के प्रस्तावों के पक्ष में बाक़ी बोर्ड के साथ मतदान किया.’’ टाटा ट्रस्ट्स ने कहा कि चंद्रशेखरन को दोबारा नियुक्त करने का प्रस्ताव टाटा के आर्टिकल्स ऑफ़ एसोसिएशन के प्रावधानों को देखते हुए वैध नहीं था. बोर्ड के छह में से चार निदेशकों ने इसके पक्ष में मतदान किया, जबकि नोएल टाटा ने विरोध में वोट दिया. चंद्रशेखरन ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया. टाटा ट्रस्ट्स ने अपने बयान में कहा है, ‘हमने टाटा सन्स को शेयर बाज़ार में लिस्ट करने पर सहमति नहीं दी है. 11 सितंबर, 2026 को भारतीय रिज़र्व बैंक से मिले पत्र पर आज बोर्ड की बैठक में चर्चा हुई. बोर्ड ने सहमति जताई कि केवल शेयर बाज़ार में लिस्ट होने के विकल्प तक सीमित रहने के बजाय अन्य विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए. टाटा टाटा सन्स के बोर्ड ने पब्लिक लिस्टिंग के मुद्दे पर पहले ही विचार किया था और दिवंगत रतन टाटा के मार्गदर्शन में मार्च 2024 में सर्वसम्मति से यह निष्कर्ष निकाला था कि कंपनी को अनलिस्टेड ही रहना चाहिए.’’’जुलाई 2025 में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने भी सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए थे कि कंपनी अनलिस्टेड ही रहनी चाहिए. यह भावना का सवाल नहीं है. यह इस ग्रुप के काम करने का तरीक़ा है और इस ग्रुप के काम करने का तरीक़ा है और इस सिद्धांत की बुनियाद पर चोट करेगी. दिग्गज कंपनी टीवीएस के अरबपति चेयरमैन एमेरिटस, श्रीनिवासन लंबे समय से चंद्रशेखरन के कार्यकाल को बढ़ाने के समर्थक रहे हैं और उन्होंने इस साल सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह टाटा सन्स की लिस्टिंग के पक्ष में हैं. चंद्रशेखरन टाटा सन्स का नेतृत्व करने वाले टाटा परिवार से बाहर के पहले व्यक्ति हैं. रतन टाटा ने खुद उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना था. उन्होंने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में 30 साल बिताए, जिनमें आठ साल मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में रहे. इस दिग्गज आईटी कंपनी को भारत की सबसे अहम कंपनियों में बदलने का श्रेय चंद्रशेखरन को दिया जाता है. चंद्रशेखरन ने एक टेक्नोक्रेट के साथ भरोसेमंद लीडर के तौर पर अपनी पहचान बनाई थी.अमेरिकी मीडिया आउटलेट ब्लूमबर्ग ने अपनी

रिपोर्ट में लिखा है कि पिछले एक दशक में चंद्रशेखरन की सबसे बड़ी सफलता टाटा ग्रुप को आईफोन और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण समेत उन्नत तकनीकों के क्षेत्र में आगे ले जाना रही.ब्लूमबर्ग ने लिखा है, ‘उनके कार्यकाल के दौरान टाटा ग्रुप की 15 सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनियों का कुल राजस्व मार्च 2026 तक के साल में दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 12.3 ट्रिलियन रुपये हो गया, जो मार्च 2017 तक के साल में छह ट्रिलियन रुपये था. इन टाटा कंपनियों के इस समूह का मुनाफ़ा भी इन दोनों अवधियों के बीच 360% से ज्यादा बढ़कर 1.66 ट्रिलियन रुपये हो गया.’’’पिछले एक साल में कारोबार की स्थिति सुधारने के लिए चंद्रा पर दबाव बढ़ रहा था. ग्रुप को एयर इंडिया के एक घातक विमान हादसे, जंगुआर लैंड रोवर पर हुए ऐसे साइबर हमले का सामना करना पड़ा, जिसका असर ब्रिटेन की जीडीपी पर भी पड़ा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के कारोबार के लिए एआई से बढ़ते ख़तरे से भी जूझना पड़ा. उन पर अपनी सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक को पूरा करने का भी दबाव था, भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप तैयार करना.’चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त को घोषणा की थी कि उनका कार्यकाल फ़रवरी में ख़त्म होने के बाद वह टाटा सन्स के चेयरमैन पद से हट जाएंगे. उनका यह फ़ैसला दोबारा नियुक्ति को लेकर कई महीनों से चले आ रहे गतिरोध के बाद आया था.इस रिपोर्ट में लिखा था, ‘टाटा ट्रस्ट्स के भीतर भी नोएल टाटा के ख़िलाफ़ आवाज़ें उठ रही हैं. टाटा ट्रस्ट, टाटा ग्रुप का सबसे बड़ा शेयरधारक है. टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड सदस्य मेहली मिस्त्री ने पिछले साल नवंबर में नोएल टाटा को भेजे एक संदेश में संगठन से अलग होने की घोषणा की थी. उन्होंने कहा था कि मामलों में जल्दबाजी करने से टाटा ग्रुप को अप्रुणीय नुक़सान हो सकता है. ‘निक्केई एशिया ने लिखा है, ‘मिस्त्री को प्रभावी रूप से उस समय बाहर कर दिया गया, जब उन्होंने और बोर्ड के कई अन्य सदस्यों ने टाटा सन्स के बोर्ड के एक सदस्य को दोबारा नियुक्त करने के नोएल टाटा के प्रस्ताव को ख़ारिज कर दिया. मिस्त्री खुद निदेशक बनना चाहते थे, लेकिन ऐसा लगता है कि नोएल टाटा ने उन्हें रोक दिया.’’’टाटा ग्रुप में जारी उथल-पुथल को नज़रअंदाज करने में असमर्थ सरकार ने मध्यस्थता के लिए क़दम उठाया है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य अधिकारियों ने पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में नोएल टाटा और ग्रुप के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाक़ात कर जल्द समाधान निकालने का अनुरोध किया.’’टाटा ग्रुप पर रिसर्च करने वाले टोक्यो की तक़ुशोकु यूनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर एमेरिटस मकोतो कोजिमा ने निक्केई एशिया से कहा, ‘अगर समूह शेयर बाज़ार में लिस्ट होता है, तो यह जोखिम है कि बाज़ार का दबाव मुनाफ़े को प्राथमिकता देने वाली सोच को बढ़ावा देगा. सार्वजनिक रूप से लिस्ट

होने के लिए मैनेजमेंट के फलसफे और नैतिकता से समझौता करना मुश्किल हो सकता है.’ टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा को लिखे एक पत्र में रतन टाटा के क़रीबी सहयोगी मेहली मिस्त्री ने कहा था, ‘रतन एन टाटा के विजन के प्रति मेरी प्रतिबद्धता में यह जिम्मेदारी भी शामिल है कि टाटा ट्रस्ट्स किसी विवाद में न फँसे. ‘अपने पत्र में मिस्त्री ने कहा था, ‘मैं रतन टाटा की कही एक बात के साथ अलग हो रहा हूँ, जो वह अक्सर मुझसे कहा करते थे, ‘जिस संस्था की वह सेवा करते हैं, उससे बड़ा कोई नहीं होता. ‘ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि आपसी प्रतिद्वंद्विता और रेग्युलेटरी असमंजस ने टाटा सन्स की लिस्टिंग के फ़ायदे और नुक़सान के किसी तर्कसंगत, कारोबारी आकलन को धुंधला कर दिया है.लिस्टिंग होने के बाद कंपनी को ज्यादा पारदर्शी होना पड़ेगा. नए कारोबारों के लिए फंड जुटाने के विकल्पों का विस्तार हो सकता है. बड़े और प्रतिष्ठित वैश्विक निवेशकों के लिए भी मौक़ा होगा.मुंबई स्थित गवर्नेस एडवाइज़री फर्म आईआईएएस की अध्यक्ष और चीफ़ ऑफ़रेंटिंग ऑफ़िसर हेतल दलाल ने ब्लूमबर्ग से कहा, ‘एयर इंडिया की ख़रीद और सेमीकंडक्टर फैसिलिटी में निवेश जैसे सौदों को शायद सार्वजनिक शेयरधारकों के एक समूह का समर्थन नहीं मिला होता. टाटा सन्स की लिस्टिंग को लेकर बसस किसी ठोस लाभ के बजाय रेग्युलेटरी निर्देश से संचालित हो रही है.’ भारत के अन्य चैरिटेबल ट्रस्टों के उलट, टाटा ट्रस्ट्स को अपने टाटा सन्स के शेयरों पर वोटिंग अधिकार इस्तेमाल करने का एक दुर्लभ विशेषाधिकार हासिल है. इस अधिकार को वापस लिया जाना असंभव नहीं है.

ब्लूमबर्ग ने लिखा है, इन सभी कमज़ोरियों के बावजूद, 10 साल पहले टाटा ग्रुप में जो दरारें खुली थीं, वे अब और गहरी होती जा रही हैं.फ़ाइनॅशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि टाटा सन्स की लिस्टिंग ग्रुप को नियंत्रित करने वाले चैरिटेबल ट्रस्टों के चेयरमैन और संस्थापक परिवार के सदस्य नोएल टाटा के लिए बड़ा झटका होगा.इंडियन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस के विजिटिंग प्रोफ़ेसर और टाटा के पूर्व अधिकारी निर्मल्य कुमार ने एफ़टी से कहा, ‘आरबीआई सरकार की ओर से अप्रत्यक्ष और अनौपचारिक मंजूरी मिले बिना इतना बड़ा फ़ैसला नहीं ले सकता. ‘लिस्टिंग की जाए या नहीं, इस मुद्दे पर मतभेद इस साल बोर्डरूम में हुए विवाद का एक अहम कारण था. यह विवाद पिछले महीने उस समय चरम पर पहुँचा, जब लंबे समय से टाटा सन्स के चेयरमैन रहे एन चंद्रशेखरन ने घोषणा की कि वह अगले साल फ़रवरी में अपना कार्यकाल ख़त्म होने के बाद पद छोड़ देंगे. एफ़टी ने टाटा सन्स के क़रीबी एक व्यक्ति ने कहा, ‘जो कंपनी पब्लिक लिस्टिंग होना नहीं चाहती, उसे सरकार ऐसा करने के लिए मजबूर कर रही है. इस प्रक्रिया को लेकर नियामकीय अनिश्चितता विदेशी निवेश को गंभीर नुक़सान पहुंचाने वाली है.’

शर्मनाक : 15 साल की बहन के साथ 13 साल के भाई ने देखी पोर्न फिल्म, बहन से किया दुष्कर्म, प्रेंगनेट हुई तो हुआ चौकानें वाला खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

मुंबई से बेहद ही शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां महज 13 साल के लड़के ने अपनी बड़ी बहन के साथ दुष्कर्म कर उसे प्रेगनेंट कर दिया। नाबालिग लड़के ने अपनी 15 साल की बड़ी बहन के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। मामले का खुलासा तब हुआ जब माता-पिता अपनी नाबालिग बेटी को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे। जानकारी के मुताबिक पुलिस को



दोनों बच्चे अपने माता-पिता के साथ पनवेल में रहते हैं। पीड़िता के माता-पिता हाउसकीपिंग का काम करते हैं। पीड़िता ने बताया कि उसने छोटे भाई को ऐसा नहीं करने के लिए कहा, लेकिन उसने नहीं सुनी। जब पीड़िता को पीरियड नहीं आया तो उसने अपनी मां को घटना के बारे में बताया। जिसके बाद जब माता-पिता काम पर गए हुए थे।

जांच करने के बाद पता लगा कि नाबालिग गर्भवती है। पीड़ित बहन के बयान के आधार पर पुलिस ने लड़के के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और 376 (2) (एन) (एक ही महिला से बार-बार बलात्कार करना) और पॉरको एक्ट की धारा 4, 6, 8 और 12 के तहत केस दर्ज किया गया है।

जब पति लकवे का शिकार हुआ, तो बिखर गई 30 साल की महिला की दुनिया. तन्हाई ने करीब ला दिया गैर मर्द, फिर हुआ वो अंजाम जिसने सबको चौंका दिया

(यंग भारत न्यूज)

देश में लगातार प्रेम संबंध के चक्कर में पतियों के हत्या के मामले सामने आ रहे हैं. इस बीच महाराष्ट्र के नागपुर से एक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक पत्नी ने प्रेम संबंध के चक्कर में अपने बीमार पति के साथ कुछ ऐसा किया, जिसे जान आप हैरान रह जाएंगे.दरअसल, 30 साल की आरोपी महिला का नाम दिशा रामटेक है. महिला का पति लकवे का शिकार था और उसका इलाज चल रहा था. इस बीच दिशा अपने आशिश आसिफ उर्फ राजा बाबू टायरवाला के टच में आई. लेकिन दिशा और आसिफ के बीच में उसका पति रुकावट बन रहा था. चंद्रसेन को अपनी पत्नी और आसिफ के संबंधों के बारे में पता चला. इस बात पर दोनों ने जमकर विवाद शुरू हो गया.

इस बात से परेशान होकर दिशा और



आसिफ ने एक दिन भयंकर प्लागिंग की. एक दिन जब चंद्रसेन सो रहा था, चंद्रसेन की हत्या की साजिश रची गई. दिशा ने अपने पति को बिस्तर पर पकड़ा. आसिफ ने उसका चेहरा दबा दिया. वहीं महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पति की मौत में पता चला. इस बात पर दोनों ने जमकर विवाद शुरू हो गया.

में आरोपी महिला ने अपना गुनाह मान लिया. पुलिस ने आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है. बता दें कि कुछ दिन पहले से मध्य प्रदेश के इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी ने हत्या करा दी थी. हत्या की साजिश सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने मिलकर रची थी. जिसके बाद से ये मामला गर्माया हुआ है.

भाजपा को रोकना है तो हमारे साथ आओ, हम गठबंधन को तैयार’, अखिलेश यादव की ओर असदुद्दीन ओवैसी का इशारा

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सियासी जमीन तलाश रहे एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए विपक्ष को खुला ऑफर दे दिया है। ओवैसी ने कहा कि जो भी पार्टी भाजपा को रोकना चाहती है, वह हमारे साथ गठबंधन करे, हम तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया और उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था और यूसीसी-एनआरसी को लेकर सरकार को घेरा। समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव के बयान पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 2014 में टारगेट किया गया, 2017 में टारगेट किया गया, 2019 में टारगेट किया गया, 2022 में टारगेट किया गया। हमें चार बार टारगेट किया गया। अब हम किसी को रोक नहीं पाएंगे। अगर कोई कुछ कहता है तो हम जवाब देंगे। हम किसी का कर्ज चुकाए बिना नहीं छोड़ते। भाजपा के आरोपों पर राहुल गांधी के ‘छात्रों की गुंज’ प्रोग्राम को लेकर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में काबिल लोग हैं, जो आपके सवाल का जवाब देंगे। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती के ईशान आनंद को नई जिम्मेदारी देने के ऐलान को लेकर उन्होंने कहा कि मायावती इस देश की बहुत बड़ी नेता हैं। अपने दम पर और बिना किसी फैमिली सपोर्ट के उन्होंने पूरी बहुमत के साथ सरकार बनाई और कई बार मुख्यमंत्री बनीं। यह उनकी पार्टी का मामला है और वही फैसला करेंगी। यूपी विधानसभा चुनाव पर ओवैसी ने कहा कि हमारी पार्टी ने अभी तक सीटों की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और हमारी पार्टी का संगठन जिले के हिसाब से मजबूत किया जा रहा है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हमने कहा है कि जो भी पार्टी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भाजपा सरकार तीसरी बार सत्ता में न आए, उसे हमारे साथ गठबंधन करना चाहिए। हम गठबंधन के लिए तैयार हैं। अब देखते हैं कि ऐसा होता है या नहीं। यूपी में कानून-व्यवस्था और रोजगार के मुद्दों पर उन्होंने कहा कि पहले, यूपी पुलिस में लाखों खाली पोस्ट भरे। पिछले 11 साल से उन्हें क्यों नहीं भरा गया ? दो दिन पहले आपने कानपुर में सुबह 5 बजे बुलडोजर से एक कब्रिस्तान गिरा दिया। आपने यह किस कानून के तहत किया ? ‘वक्फ बाय यूजर’ वाला कानून अभी लागू है। आप मस्जिदें गिरा रहे हैं, यह कैसा शासन है ? यूसीसी को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि आप यूसीसी के नाम पर आर्टिकल 25, 26, 29 और 14 को खत्म नहीं कर सकते। भारत के संविधान में जो कुछ है, उसे बाबा साहेब अंबेडकर ने बनाया था। यूसीसी के नाम पर आप हिंदू मैरिज एक्ट, हिंदू डिवोर्स एक्ट और हिंदू सक्सेशन एक्ट को गैर-हिंदूओं पर कैसे लागू कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि वे एनआरसी करेंगे। एनआरसी का मतलब है, करोड़ों लोगों को लाइन में खड़ा करना। अगर आप एनआरसी के नियम देखें तो जब लिस्ट जारी होती है, तो कोई भी सवाल उठा सकता है। इसका एकमात्र मकसद एनआरसी प्रोसेस के जरिए सभी को लाइन में खड़ा करना है।



तुम मेरे साथ संबंध. सुहागरात में पहले पति ने किया अश्लील काम, फिर देवर कमरे में पहुंचा, अब ससुर की बहू पर गंदी नजर

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के गोरखपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. मामला गोरखनाथ थाना क्षेत्र के एक गांव का है, जहां एक महिला ने अपने पति, ससुर और देवर पर गंभीर आरोप लगाए हैं. महिला का आरोप है कि ये तीनों उनके साथ जबरदस्ती करता है. उसका कहना है कि घर के दरवाजे बंद करत शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करते हैं और पूरा परिवार दहेज के लिए प्रताड़ित करता है. महिला का आरोप है कि उसे घर से बाहर निकाल दिया गया है. इसके बाद महिला ने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई करने



की मांग की है. महिला ने बताया है कि उसकी शादी शाहपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले एक युवक से 10 मार्च 2026 को हुई थी. परिजनों ने शादी में एक करोड़ रुपये खर्च किए, बावजूद इसके ससुराल पक्ष दहेज की मांग करता है. उसका कहना है कि उसे शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी करता हैं. ये खबर आप लिस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। जब वह घर से विदा होकर ससुराल पहुंची थी, सुहागरात वाले दिन पति ने परिजनों को गाली देते हुए कहा कि शादी में हमारी बदनामी हुई है. कोई इज्जत नहीं हुई, दहेज में भी कुछ नहीं मिला, मैंने जब विरोध किया तो पति ने मारपीट की और

जबरन शारीरिक संबंध बनाए. पति ने कहा कि अब रोज ही ऐसा होगा, नहीं तो जान से मार दूंगा. महिला का कहना है कि इसके बाद अगले ही दिन सास-ससुर ने कार की डिमांड की, जब मैंने ये बात पति को बताई तो उन्होंने कहा कि उसका कहना है कि उसे शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी करता हैं. ये खबर आप लिस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। जब वह घर से विदा होकर ससुराल पहुंची थी, सुहागरात वाले दिन पति ने परिजनों को गाली देते हुए कहा कि शादी में हमारी बदनामी हुई है. कोई इज्जत नहीं हुई, दहेज में भी कुछ नहीं मिला, मैंने जब विरोध किया तो पति ने मारपीट की और

क्यों ये शोर मचा रही है. पीड़िता ने कहा कि कुछ दिन बाद घर के सभी लोग किसी काम से बाहर गए थे, मेरे अलावा सिर्फ ससुर घर में मौजूद थे. इस बीच जब मैं सो रही थी तो ससुर मेरे कमरे में आ गए. उन्होंने मेरे हाथ को छूने की कोशिश की, अचानक मेरी नांद खुली तो मैं चौंक कर बैठ गई. इस पर ससुर ने कहा कि कोई बात नहीं, तुम मेरे साथ संबंध बना लो, घर में सभी सदस्य तुम्हारा इज्जत करेंगे, कोई तुम्हें कुछ टच करना शुरू कर दिया. शोर मचाया तो देवर कमरे से बाहर भाग गया. इस चले गए. मैंने पूरी बात ओवैसी के पास खाना लेकर गया था, लेकिन न जाने

ने बताया कि शादी के 10 दिन बाद सास ने कहा कि तुम्हारी विदाई की तारीख रख दी गई है. तैयारी कर लो, लेकिन आपना तो साथ में कार लेकर वापस लौटना. कुछ दिन बाद जब मैं वापस ससुराल आई तो मुझसे पूछा गया जो कहा था, वह कहाँ है ? महिला ने कहा कि मेरे मना करने पर जमकर विवाद हुआ और मुझे घर से निकाल दिया गया, मैं अपने माता-पिता के साथ मायके लौट आई और थक हार कर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है. पुलिस ने तहरीर के आधार पर महिला के सास ससुर, पति और देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है. जांच की जा रही है.

रामपुरा थाना जाना है? पहले ‘नागिन डांस’ करना पड़ेगा!

डांस कराने के आरोप से लेकर शिकायतों के जरिए दबाव बनाने के दावे तक पहुंचा मामला, विधायक तक शिकायत की चर्चा के बाद पदाधिकारी को थाने बुलाए जाने की भी बात

(यंग भारत न्यूज़)
माधौगण, जालौन। रामपुरा थाना इन दिनों स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे विभिन्न आरोपों और उनसे जुड़े घटनाक्रमों को लेकर चर्चा में है। पिछले करीब एक महीने के दौरान थाने से संबंधित अलग-अलग मामलों में कथित तौर पर अभद्र व्यवहार, दबाव बनाने, शिकायतें दिलवाने और थाने में लोगों को सूत्रों के आधार पर डांस कराए जाने जैसे आरोप सामने आने की चर्चा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज तथा वीडियो की पड़ताल के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। स्थानीय स्तर पर चर्चा में आए घटनाक्रमों में कार्तिक द्विवेदी उर्फ बटुक महाराज के मामले के अलावा उमरी के एक वरिष्ठ भाजपा नेता के पुत्र, भाजपा के पूर्व बृथ अध्यक्ष वर्मा जी, जगमनपुर के पूर्व प्राचार्य तथा रामपुरा के शक्ति केंद्र संयोजक से जुड़े प्रकरणों का भी उल्लेख किया जा रहा है।

थाने में डांस कराने का आरोप, विरोध के बाद



शिकायत का दावा

मामले को लेकर आरोप लगाया जा रहा है कि कुछ लोगों के साथ थाने में कथित रूप से ‘नागिन डांस’ और ‘नाच बसंतो’ जैसे गानों पर डांस कराया गया। आरोप यह भी है कि जब संबंधित लोगों ने इसका विरोध किया तो उनके खिलाफ किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से प्रार्थना-पत्र या शिकायत दिलवाकर दबाव बनाने

का प्रयास किया गया। कार्तिक द्विवेदी उर्फ बटुक महाराज से जुड़े मामले में भी सीसीटीवी फुटेज का हवाला दिया जा रहा है। दावा है कि फुटेज में उनके संबंध में शिकायत अथवा प्रार्थना-पत्र लिए जाने की प्रक्रिया दिखाई देती है। इन दावों की वास्तविकता सीसीटीवी फुटेज की निष्पक्ष जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। शक्ति केंद्र संयोजक से जुड़े मामले ने भी उठाए सवाल

इसी क्रम में रामपुरा के शक्ति केंद्र संयोजक से जुड़ा मामला भी चर्चा में है। आरोप है कि संबंधित पदाधिकारी द्वारा घटना की शिकायत क्षेत्रीय विधायक तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान उनके यहां काम करने वाले एक युवक की माता से कथित तौर पर शक्ति केंद्र संयोजक के खिलाफ ही प्रार्थना-पत्र दिलवाया गया। इस घटनाक्रम से संबंधित वीडियो भी उपलब्ध होने का दावा किया

जा रहा है। यदि वीडियो मौजूद है तो उसकी जांच से यह स्पष्ट किया जा सकता है कि शिकायत किस परिस्थिति में और किसके कहने अथवा पहल पर दी गई।

विधायक तक शिकायत पहुंचाने के बाद पदाधिकारी को थाने बुलाने की चर्चा

मामले में एक और आरोप स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि रामपुरा मंडल के एक वरिष्ठ पदाधिकारी को थाने बुलाया गया और उनसे कथित रूप से यह सवाल किया गया कि वे शक्ति केंद्र संयोजक के साथ क्षेत्रीय विधायक के पास शिकायत लेकर क्यों गए। यदि यह आरोप सही है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि किसी राजनीतिक या सामाजिक पदाधिकारी द्वारा अपनी शिकायत जनप्रतिनिधि के समक्ष रखना क्या किसी प्रकार की आपतिजनक गतिविधि मानी जा सकती है? हालांकि इस संबंध में भी संबंधित पक्षों के आधिकारिक बयान और पुलिस का पक्ष सामने आना आवश्यक है।

शिकायतों और वीडियो की निष्पक्ष जांच जरूरी

एक के बाद एक सामने आ रहे इन आरोपों के बीच सबसे महत्वपूर्ण सवाल उपलब्ध साक्ष्यों की जांच का है। यदि थाने के अंदर की घटनाओं से संबंधित सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध हैं तो संबंधित अवधि की रिकॉर्डिंग सुरक्षित कराकर उसकी जांच कराई जा सकती है। इसी तरह सामने बताए जा रहे वीडियो और प्रार्थना-पत्रों की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। जिसने शिकायत दी, शिकायत किस परिस्थिति में दी गई, क्या किसी व्यक्ति पर शिकायत देने के लिए दबाव था, थाने में वास्तव में क्या हुआ और संबंधित लोगों के साथ पुलिस का व्यवहार कैसा रहा—इन सभी बिंदुओं की जांच से ही स्थिति साफ हो सकती है।

जनता के बीच उठ रहा बड़ा सवाल रामपुरा क्षेत्र में इन घटनाक्रमों को लेकर अब यह सवाल चर्चा में है कि थाना आम नागरिक की शिकायत सुनने और उसे न्याय दिलाने का स्थान है या शिकायतकर्ता पर ही किसी तरह का दबाव बनाने की जगह? किसी व्यक्ति के

खिलाफ शिकायत हो तो उसका निष्पक्ष परीक्षण होना चाहिए और शिकायतकर्ता की बात भी सुनी जानी चाहिए। इसी तरह यदि किसी पुलिसकर्मी पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं तो पुलिस पक्ष को भी अपना तथ्य रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। मामला किसी एक व्यक्ति या एक संगठन तक सीमित नहीं रह जाता, जब आरोप पुलिस थाने की कार्यप्रणाली और वहां आने वाले आम नागरिकों के साथ व्यवहार से जुड़े हों। ऐसे मामलों में पारदर्शिता ही सबसे महत्वपूर्ण होती है। अब निगाह जांच पर रामपुरा थाना परिसर से संबंधित बताए जा रहे सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो, शिकायत-पत्रों और संबंधित पक्षों के बयानों की निष्पक्ष जांच हो तो पूरे घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। फिलहाल लगाए जा रहे आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह आवश्यक है कि संबंधित अधिकारी सभी पक्षों को सुनकर निष्पक्ष जांच कराएं और यदि आरोप गलत पाए जाते हैं तो स्थिति स्पष्ट करें तथा यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नाला निर्माण में मानकों की अनदेखी का आरोप, गुणवत्ता पर उठे सवाल



(यंग भारत न्यूज़)

माधौगढ़ (जालौन)। नगर पंचायत माधौगढ़ द्वारा ब्लॉक कार्यालय के पास कराया जा रहा नाला निर्माण इन दिनों सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। निर्माण में गुणवत्ता को लेकर भी लोगों ने सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत की ओर से ब्लॉक के पास नाला निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण के दौरान मानकों की अनदेखी की जा रही है। लोगों का आरोप है कि नाला निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता और निर्माण कार्य की तकनीकी प्रक्रिया पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी होने से सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका है। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों की जांच करनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी और नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर नाला निर्माण की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और नाले का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाए, ताकि सरकारी धन का सही उपयोग हो सके और लोगों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके।

अपना दल एस कार्यालय में जिलाध्यक्ष ने सुनी लोगों की समस्याएं जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग, दो शिकायतों का मौके पर समाधान

(यंग भारत न्यूज़)



उरई,जालौन। अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के अलग-अलग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। जिलाध्यक्ष ने प्रदेश सदस्य रोहित राठौर के साथ लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर आवश्यक निर्देश दिए गए। त्वरित कार्रवाई के चलते दो प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। इससे संबंधित आवेदकों को राहत मिली। जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान पार्टी की प्राथमिकता है। प्रत्येक सोमवार को कार्यालय में होने वाली जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याएं सुनी जा रही हैं और प्रशासन से समन्वय कर उनके निस्तारण का प्रयास किया जा रहा है। जनसुनवाई में सर्वेश चुरखीबाल, सुनील कुमार, रामराजा निरंजन, रामबाबू, संदेश कुशवाहा,सुरेश राठौर सुघर सिंह पटेल, डॉ. कमल प्रताप, कारुख खान,रविकांत कुशवाहा, अंकित सिंह अहिरवार और लालसिंह सहित कई कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

कांग्रेस संगठन की बैठक में भाजपा सरकार पर बरसे रमेश कोरी, बोले- गांव-गांव पहुंचकर पार्टी की नीतियां बताएं कार्यकर्ता

- **राहुल गांधी सविधान, दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए लगातार कर रहे संघर्ष**
- **कांग्रेस कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान**
- **कांग्रेस संगठन की बैठक में रमेश कोरी का संबोधन**

(यंग भारत न्यूज़)

उरई (जालौन)। शहर के अजनारी रोड स्थित खुशी पैलेस में कांग्रेस संगठन की बैठक आयोजित

की गई। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस एससी विभाग के प्रदेशकोऑर्डिनेटर रमेश कोरी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अयोध्या में चंदे से जुड़े कथित मामलों को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। रमेश कोरी ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार में अयोध्या में चंदे की कथित चोरी सुनिश्चित तरीके से की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस के 70 वर्षों के कार्यकाल पर सवाल उठाए जाते हैं, जबकि आज जिन सरकारी संपत्तियों और संस्थानों को बेचा जा रहा है, उनमें से कई कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में निर्मित हुई थीं। उन्होंने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के

लिए लंबे समय तक संघर्ष किया और जेल में समय बिताया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि वह दलितों, पिछड़ों,अल्पसंख्यकों के अधिकारों के साथ-साथ संविधान की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। प्रदेश कोऑर्डिनेटर ने कहा कि प्रदेश और देश की जनता कांग्रेस पार्टी को उम्मीद की नजर से देख रही है। ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पार्टी की नीतियों और विचारधारा को गांव-गांव तथा घर-घर तक पहुंचाएं और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी सक्रियता से काम करें। बैठक में मौजूद कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बुढ़वा मंगल पर्व पर सिद्ध पीठ ठड़ेश्वरी हनुमान मन्दिर उरई में तैयारियां जोरों पर

(यंग भारत न्यूज़)

उरई (जालौन)। बुढ़वा मंगल पर्व पर सिद्ध पीठ ठड़ेश्वरी हनुमान मन्दिर उरई में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बुढ़वा मंगल पर्व पर विशाल मेला का आयोजन दिनांक- 22 सितंबर से 30 सितंबर तक किया जा रहा है।

उपरोक्त संबंध में सिद्धपीठ ठड़ेश्वरी हनुमान मन्दिर उरई के महन्त श्री श्री 1008 श्री सिद्ध रामदास महामण्डलेश्वर जी ने बताया कि मेले में गत वर्ष की तरह झूले व दुकानों लगने लगी है। उन्होंने कहा कि बुढ़वा मंगल पर्व भाद्र मास का आखिरी मंगलवार को भगवान राम भक्त हनुमान जी का जन्मोत्सव पर्व दिनांक 22 सितंबर को पड़ रहा है इसी लिए हनुमान जी के जन्म दिवस पर बुढ़वा मंगल का पर्व धूमधाम से मनाया जाता रहा है। कल 22 सितंबर को भी भगवान राम भक्त हनुमान जी का पर्व मनाया जायेगा। श्री महन्त जी ने कहा कि मन्दिर परिसर में भव्य स्वागत की गई है। मन्दिर के अन्दर फूल बंगला की भव्य झांकियां भी सजाई जा रही हैं। जब से मन्दिर में भगवान राम दरबार व भक्त हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा हुई है तभी से प्रतिवर्ष भाद्रमास में आखिरी मंगलवार को बुढ़वा मंगल का पर्व धूमधाम भक्त गणों द्वारा मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मेले में बच्चों के लिए झूले एवं मिष्ठान सहित अन्य घरेलू काम आने वाली वस्तुओं की दुकानें भेरे में लगाई जा रही है।



मौन साधना के जरिए विश्व शांति का संदेश, उरई में निकली विश्व शांति यात्रा

(यंग भारत न्यूज़)

उरई (जालौन)। विश्व शांति दिवस के अवसर पर सोमवार को उरई में मौन साधना परिवार की ओर से विश्व प्रेम, शांति और एकता का संदेश देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे मौन साधना साधकों ने सहभागिता की। सुबह करीब 9 बजे कुठौद रोड स्थित मौन साधना देवस्थान से विश्व शांति यात्रा शुरू हुई। शंख ध्वनि के साथ निकली यात्रा कलेक्ट्रेट तक पहुंची। इस दौरान साधकों ने विश्व में प्रेम, भाईचारा, शांति और एकता का संदेश दिया। मौन साधना परिवार की ओर से बताया गया कि विश्व शांति का रास्ता व्यक्ति के भीतर से होकर गुजरता है। यदि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन एक निश्चित समय, करीब 15 मिनट मौन रहकर अपने हित में चिंतन करे, तो वह अपने भीतर शांति, प्रेम और सकारात्मक विचारों को विकसित कर सकता है। यही भावना आगे परिवार, समाज और विश्व में एकता का आधार बन सकती है। आयोजकों ने जगत की एकता एवं जगत पिता का सत्य पाने के लिए प्रतिदिन शाम 6:50 से 7:05 मिनट मौन साधना करने का आह्वान किया। इसके बाद कुठौद रोड स्थित लोधी धर्मशाला में दोपहर 2 बजे सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में विभिन्न धर्मों एवं समाज के लोगों ने सहभागिता करते हुए सर्वधर्म प्रेम, विश्व शांति और मानव एकता का संदेश दिया। सर्वधर्म सम्मेलन के बाद रातभर प्रवचन एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। वक्ताओं ने मानव जीवन में प्रेम, शांति, करुणा और आपसी भाईचारे के महत्व पर विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान मौन साधना के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। आयोजकों ने कहा कि मौन साधना किसी धर्म विशेष तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वयं के भीतर झांकने और मानवता के लिए सकारात्मक सोच विकसित करने का माध्यम है। कार्यक्रम में ‘दान-दक्षिणा नहीं चाहिए, केवल 15 मिनट का समय चाहिए’ का संदेश भी दिया गया।



जालौन के पवन कुमार को एक्स-रे तकनीशियन पद पर चयन के बाद एसीएमओ ने किया सम्मानित

(यंग भारत न्यूज़)

एट। सोमवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से एक्स-रे तकनीशियन के पद पर चयनित हुए जनपद जालौन के मेधावी युवा पवन कुमार को डॉक्टर आनंद प्रकाश वर्मा एसीएमओ झांसी द्वारा सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि से उनके परिवार और पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास का माहौल है। पारदर्शी प्रक्रिया से मिला मुकाम प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना एट क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम धमसैनी निवासी दशरथ सिंह के पुत्र पवन कुमार ने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बल पर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की एक्स-रे तकनीशियन परीक्षा में सफलता हासिल की है। पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित चयन प्रक्रिया के तहत उनका चयन इस महत्वपूर्ण पद पर हुआ है।

एसीएमओ झांसी ने दी शुभकामनाएं युवाओं के प्रोत्साहन और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की कड़ी में, झांसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पवन कुमार को सम्मानित किया गया। एसीएमओ ने उन्हें नियुक्ति पत्र एवं सम्मान प्रतीक भेंट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी।

परिवार और क्षेत्र में खुशी को लहर पवन कुमार की इस सफलता पर उनके पिता दशरथ सिंह व अन्य परिजनों ने गर्व महसूस किया है। ग्राम धमसैनी और आसपास के क्षेत्रवासियों ने भी पवन कुमार को बधाई देते हुए कहा कि उनकी इस सफलता से क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं में मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी।

सातवें दिन किया गणेश विसर्जन

(यंग भारत न्यूज़)

माधौगढ़ जालौन। गणेश विसर्जन दौरान नगर में निकाली गई गणेश विसर्जन यात्रा माधौगढ़ नगर वार्ड नंबर 9 विजय नगर से रामपुरा बस स्टैंड चितोरा बस स्टैंड बुंदेलखंड से होते हुए हैदलपुर तालाब में विसर्जित किया पूर्व रिटायर अध्यापक प्रेम नारायण याज्ञिक के निज निवास पर लगभग कई वर्षों से गणेश महोत्सव के अवसर पर सातवें दिन की गणेश विसर्जन कि बड़े ही धूमधाम से निकली गई विसर्जन यात्रा गणेश भगवान की आरती पूजा कि गई इसी दौरान लगभग सैकड़ों की तादात में श्रद्धालु शामिल हुये संतोष कुमार याज्ञिक पत्रकार ने जानकारी देते हुए बताया गणेश भगवान कि असीम कृपा से हम सभी परिजनों को सुकून शांति मिलती है गणपति बाप्पा का आज विदाई समारोह में भक्तिजन शामिल हुये गणपति बाप्पा मोरिया की जयकारों से गुंजा नगर भक्ति श्रद्धालुओं ने नाच गाकर विदाई समारोह में शामिल हुए मौके पर अमरनाथ शर्मा पंकज दुबे अशोक याज्ञिक सुशील द्विवेदी पुत्ती पालीवाल सोनू याज्ञिक दिलीप याज्ञिक रामू श्याम छोटू बड़े लालईया यादव राज अक्षित प्रीति शीला अनुज योगेश राज अभिषेक तिवारी शिवानी हिमांशी आरती राजकुमारी गोडो

चमारी गांव में रात में खड़ी गाड़ी में लगी आग, वाहन जलकर हुआ खाक

(यंग भारत न्यूज़)

उरई (जालौन)। आटा थाना क्षेत्र के ग्राम चमारी में सोमवार की रात अज्ञात कारणों के चलते खड़ी गाड़ी में अचानक आग लग गई। आग की लपटें देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने गाड़ी को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वाहन जलकर खाक हो गया। गाड़ी मालिक ने अज्ञात व्यक्ति पर वाहन में आग लगाने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलने के बाद सोमवार सुबह आटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस आग लगने के कारणों के साथ ही वाहन में आग लगाए जाने के आरोप की भी जांच कर रही है।



दुनिया के बाजार में जालौन की दस्तक, यूपीआईटीएस में पांच उद्यमी करेंगे प्रतिनिधित्व

कालपी के हाथ कागज से लकड़ी के खिलौने, गौ-निर्मित उत्पाद और स्थानीय खाद्य उत्पादों तक दिखेगी जालौन की पहचान

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन) बृंदेलखंड की धरती पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला जनपद जालौन अब वैश्विक मंच पर अपने हुनर और उद्यमिता की छाप छोड़ने को तैयार है। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS)-2026 में जालौन के पांच उद्यमी अपने स्थानीय उत्पादों के साथ देश-दुनिया के खरीदारों के सामने जनपद की औद्योगिक क्षमता का प्रतिनिधित्व करेंगे। 24 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के ईडिआ एक्सपो सेंटर एंड आर्ट, नॉलेज पार्क-2 में आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 80 देशों की भागीदारी के बीच जालौन के उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का अवसर मिलेगा।



जिलाधिकारी समीर ने जनपद में उद्योगों के विस्तार और स्थानीय उद्यमिता को नई गति देने पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए हैं कि जालौन के पारंपरिक उत्पादों के साथ-साथ छोटे और बड़े उद्योगों को भी आगे लाकर उनकी पहचान और बाजार को व्यापक बनाया जाए। उन्होंने उद्योग विभाग को स्थानीय उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग, विपणन और बाजार उपलब्धता के लिए प्रभावी प्रयास करने तथा ऐसे उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं, जिनमें

उत्पादन बढ़ाने और नए रोजगार सृजित करने की क्षमता है। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में यूपीआईटीएस जैसे बड़े मंचों को जालौन के उद्यमियों के लिए कारोबारी विस्तार के अवसर के रूप में देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर जालौन की औद्योगिक और स्थानीय पहचान को प्रदर्शित करने के लिए जनपद से पांच प्रतिभागियों को स्टॉल आवंटित किए गए हैं। इनमें कालपी का प्रसिद्ध हाथ कागज उद्योग प्रमुख आकर्षण रहेगा। ओडीओपी और जीआई टैग के

माध्यम से कालपी के हाथ कागज को पहले ही विशिष्ट पहचान मिल चुकी है और अब इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। उपायुक्त उद्योग धर्मेंद्र भास्कर ने बताया कि हाथ कागज संघ कालपी के अध्यक्ष संतंदर तिवारी ओडीओपी (हाथ कागज) के साथ जीआई टैग क्षेत्र से प्रतिभाग करेंगे। अमन चंदेल लकड़ी के खिलौने, राधा पाण्डेय गौ-निर्मित उत्पाद, अखिलेश पाल ओडीओपी के अंतर्गत रसगुल्ला एवं गुड़िया तथा शौर्य कुमार सिंह, अनुरागिनी संस्थान कालपी हाथ कागज उत्पाद श्रेणी में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। यूपीआईटीएस-2026 जालौन के उद्यमियों के लिए महज प्रदर्शनी नहीं, बल्कि अपने उत्पादों को बड़े बाजार से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, निवेशकों और व्यापारिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्थानीय उत्पादों की सीधी प्रस्तुति से नए कारोबारी संपर्क, विपणन और विस्तार को संभावनाएं बढ़ेंगी।

छोटे उद्यमों के लिए यह मंच उन्हें बड़े बाजार से जोड़ने में मददगार होगा, वहीं स्थापित उद्योगों को नए ग्राहकों और बाजारों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। प्रदेश सरकार की ओर से प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए

ओडीओपी एवं जीआई टैग, सीएम युवा तथा ओडीओसी श्रेणी के प्रतिभागियों को स्टॉल निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही ट्रेड शो में प्रतिभाग करने वाले उद्यमियों को ट्रांसपोर्टेशन पर 75 प्रतिशत तक किराया प्रतिपूर्ति का भी प्रावधान है। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुरूप जनपद में उद्योगों के विस्तार को केवल पारंपरिक उत्पादों तक सीमित न रखते हुए स्थानीय स्तर पर संचालित छोटे-बड़े उद्योगों, नए उद्यमियों और नवाचार आधारित कारोबार को भी आगे लाने पर जोर दिया जा रहा है। उद्देश्य है कि जालौन की पहचान केवल कृषि प्रधान जनपद के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन, उद्यमिता, स्थानीय ब्रांड और रोजगार सृजन के उभरते केंद्र के रूप में भी मजबूत हो। कालपी का हाथ एम कागज उद्योग जालौन की विशिष्ट पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके साथ लकड़ी के खिलौने, गौ-निर्मित उत्पाद और स्थानीय खाद्य उत्पादों की मौजूदगी जनपद की विविध उत्पाद क्षमता को प्रदर्शित करेगी। यूपीआईटीएस-2026 में जालौन की यह भागीदारी स्थानीय हुनर को वैश्विक बाजार से जोड़ने और जिले के उद्योगों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की बैठक में बैंकिंग क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा

(यंग भारत न्यूज)
उरई, 20 सितंबर। होटल अर्थ कालपी रोड, उरई में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन, क्षेत्र उरई की आमसभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के ग्रामीण बैंक अधिकारियों ने सहभागिता की। इस दौरान सर्वप्रथम बाबा मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में अध्यक्ष सौरभ कुमार त्रिपाठी ने बैंकिंग क्षेत्र में आ रही कठिनाइयों और कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी। महामंत्री अंकित खरे ने आगामी 28, 29 एवं 30 सितंबर को प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के संबंध में जानकारी साझा की। कार्यवाहक महामंत्री जितेंद्र कुमार रैना ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था एवं पीएलआई में आ रही विसंगतियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के अंत में आमसभा की अनुमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में मुख्य संरक्षक विकास कुमार, संरक्षक सौरभ त्रिपाठी, अध्यक्ष सौरभ कुमार त्रिपाठी, महामंत्री अंकित खरे, कार्यवाहक अध्यक्ष सर्वेश कुमार, कार्यवाहक महामंत्री जितेंद्र कुमार रैना, कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार तथा संयोजक राहुल हुल्ली चुने गए। बैठक में प्रशांत गुप्ता, सौरभ कुमार, अमित यादव, पिपूष, शैलेन्द्र, शैलेश, प्रियंका, शिवाली, राघवेंद्र, विमल, राजदीप, रितेश, ऋषु और हीरेन्द्र सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। अंत में मनीष कुमार ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

जिले की सड़कों को मिलेगी ग ैं से मुक्ति, आज से अभियान का आगाज

-जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर 63 किलोमीटर मार्गों पर शुरू हुआ मरम्मत कार्य, -उरई क्षेत्र के पांच प्रमुख मार्ग पहले चरण में शामिल



उरई जनपद की सड़कों को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर सोमवार से जनपद में गड्ढा मुक्ति अभियान शुरू कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए चिन्हित मार्गों में ओडीआर और ग्रामीण संपर्क मार्ग शामिल हैं। अभियान के पहले चरण में उरई क्षेत्र के पांच मार्गों की कुल 63 किलोमीटर लंबाई को गड्ढा मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के तहत कोच-पहाड़गांव-कमतरि मार्ग और बंगरा रेडर-लगापुरा मार्ग के 15-15 किलोमीटर हिस्से में मरम्मत कार्य कराया जाए रहा है। इसके साथ ही हमीरपुर-कालपी मार्ग के 20 किलोमीटर, आटा-चुखी मार्ग से नूरपुर संपर्क मार्ग के 3 किलोमीटर तथा जालौन-चुखी मार्ग के 10 किलोमीटर हिस्से को भी गड्ढा मुक्त किया जाए रहा है। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद संबंधित खंडों के अधिशासी अभियंताओं ने चिन्हित मार्गों पर कार्यवाही शुरू कर दी है। हमीरपुर-कालपी मार्ग एसएच-91 श्रेणी में आता है, जबकि अन्य चिन्हित मार्गों में ओडीआर और ग्रामीण संपर्क मार्ग शामिल हैं। अभियान के जरिए सड़कों की स्थिति में सुधार के साथ ही राहगीरों और वाहन चालकों को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से गड्ढा मुक्ति कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि चिन्हित मार्गों पर आवागमन की परेशानी दूर हो और सड़कों की स्थिति में प्रभावी सुधार दिखाई दे। आगामी चरणों में आवश्यकता के अनुसार अन्य मार्गों को भी अभियान में शामिल किए जाने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

ई0वी0एम0 एवं वी0वी0पैट वेयरहाउस प्रथम एवं द्वितीय का प्रस्तावित त्रै-मासिक स्थलीय निरीक्षण किया

(यंग भारत न्यूज)
उरई। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के द्वारा निर्गत निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी समीर ने जनपद मुख्यालय स्थित ई0वी0एम0 एवं वी0वी0पैट वेयरहाउस प्रथम एवं द्वितीय का प्रस्तावित त्रै-मासिक स्थलीय निरीक्षण किया तथा ई0वी0एम0 लॉग-बुक पर निरीक्षण कर टिप्पणी अंकित की गयी। निरीक्षणोपरान्त उन्होंने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कक्ष में लगे सी0सी0टी0वी0 मॉनीटर सिस्टम का अवलोकन उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के सामने किया गया एवं प्रतिनिधियों को सी0सी0टी0वी0 के वीडियो से भी अवलोकित कराया गया तथा निर्वाचन से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा की गयी। तत्पश्चात् ई0वी0एम0-वी0वी0पैट एफ0एल0सी0 हॉल में सम्पादित हो रही



निरीक्षण के दौरान अपर जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव राज, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) प्रेमचन्द मौर्य, नगर मजिस्ट्रेट उरई/ईंचार्ज ई0वी0एम0-वी0वी0पैट वेयरहाउस सुनील कुमार, उप जिला मजिस्ट्रेट (उपस्थित) कालपी कुमार संजय, ई0वी0एम0 सहायक तलहा मजहर एवं राजनैतिक दलों से विनोद कुमार नगरिया जिला सचिव सी0पी0आई0 (एम0), जमाल उद्दीन जिला महासचिव स0पा0, शान्ति स्वरूप महेश्वरी प्रभारी निर्वाचन भा0ज0पा0, राज कुमार वर्मा आई0एन0सी0, राजीव शर्मा स0पा0, अनिल कुदारी जिला अध्यक्ष अपना दल (एस0), भगवती शरण पांचाल जिला सचिव ब0स0पा0, बृजेश जाटव जिला अध्यक्ष ब0स0पा0 आदि उपस्थित रहे।

जॉब कार्ड धारकों की फर्जी ऑनलाइन हाजिरी लगाने की शिकायत एसडीएम से की

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। नौरंजपुर में बारिश के दिनों में मनरेगा के अंतर्गत फर्जी कार्य करने और बाहर रहने वाले जॉब कार्ड धारकों की ऑनलाइन हाजिरी लगाने की शिकायत ग्रामीण ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर की है। तहसील क्षेत्र के ग्राम नौरंजपुर निवासी अखिलेश कुमार ने एसडीएम राकेश कुमार सोनी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि उनके गांव में मनरेगा योजना के अंतर्गत फर्जी कार्य दर्शाकर भुगतान निकला जा रहा है। 11 सितंबर को बारिश हो रही थी। इस दिन शारीरिक श्रम अथवा मनरेगा के अंतर्गत कार्य होना संभव नहीं था। इसके बाद भी कार्य दर्शाया गया और फर्जी ऑनलाइन हाजिरी दर्शा दी गई। इसी तरह गांव में कई लोग ऐसे हैं जो बाहर रहते हैं और उनके जॉब कार्ड बने हुए हैं। इन बाहर रहने वाले लोगों की ऑनलाइन हाजिरी दर्शाई जाती है और उनकी मजदूरी का भुगतान भी प्राप्त किया जाता है। उन्होंने इसमें प्रधान और सचिव की भूमिका पर संदेह व्यक्त किया है। इतना ही नहीं कुछ कार्य जैसीबी मशीन से करा दिए जाते हैं तो कुछ पुराने कार्यों को नया दर्शाकर उनका भुगतान करा लिया जाता है। ग्रामीण ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग एसडीएम से की है।

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आना के मनमोहक गीतों के बीच हुआ विसर्जन

जालौन-उरई। गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आना के मनमोहक गीतों के बीच भगवान गणेश को मंगलवार को भूमधाम के साथ विसर्जित किया गया। इस दौरान प्रथम पुन्य कहे जाने वाले भगवान श्रीगणेश के भक्त अपने ईष्टदेव के भक्ति भाव में सराबोर नजर आए। नगर में 22 स्थानों पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई थी। सात दिन तक चले पर्व में भगवान श्रीगणेश के पांडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। एक सप्ताह तक सुबह शाम भक्तों ने भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना की। नगर के बाजार बैठाऊ में मण्डा समुदाय द्वारा गणेश चतुर्थी के मौके पर श्रीगणेश प्रतिमा की स्थापना की गई थी। कुछ जगहों पर भक्तों ने घरों में भी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित की थी। सोमवार को तय कार्यक्रम के अनुसार भगवान श्रीगणेश की 11 प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया गया। भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं को नगर के विभिन्न मार्गों पर जुलूस की शक्ति में निकाला गया। तहसील रोड कोतवाली रोड, लौना रोड होकर लौना माइनर में विधि विधान पूर्वक नम आखों से भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जुलूस में गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आना के मनमोहक गीतों पर भक्त गुलाल उड़ते हुए और झूमते हुए चल रहे थे।



अवैध संचालन पर परिवहन विभाग ने कसा शिकंजा

चेकिंग में दो बसों पर कार्रवाई, पुलिस अभिरक्षा में कराया खड़ा

(यंग भारत न्यूज)
उरई, जालौन। परमिट की शर्तों का उल्लंघन कर संचालित की जा रही बसों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सोमवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया। जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर सहायक संधागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार ने कार्रवाई करते हुए दो बसों का चालान कर उन्हें निरुद्ध करा दिया। दोनों बसों को पुलिस अभिरक्षा में खड़ा कराया गया। कार्रवाई के दौरान बसों में सवार यात्रियों को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया। परिवहन विभाग ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए सभी यात्रियों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसों से उनके गंतव्य के लिए रवाना कराया। एआरटीओ प्रवर्तन राजेश कुमार ने बताया कि बसों के खिलाफ परमिट की शर्तों के उल्लंघन और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि बिना परमिट वाहन संचालन, अवैध परिवहन और परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन धमिलाने पर संबंधित वाहन स्वामी और चालक के



खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम 50 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा.विभिन्न आयु वर्ग में विजेता खिलाड़ियों को मिला स्थान



उरई, जालौन। जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन 20 सितंबर को किया गया। प्रतियोगिता में जिले के करीब 50 खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्ग में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बालक और बालिका वर्ग की विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बालक वर्ग के परिणाम अंडर-12 की 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में ज्ञानेंद्र कुशवाहा ने प्रथम, अमन गौतम ने द्वितीय और आयुष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में गोपाल जी मिश्रा प्रथम, ज्ञानेंद्र कुशवाहा द्वितीय और अमन गौतम तृतीय रहे। अंडर-19 की 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में आरव वर्मा ने प्रथम और कृष्ण कुमार मिश्रा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में भी दिखाया उत्साह अंडर-12 की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में कोकिल कुशवाहा प्रथम, श्रेया द्वितीय और अंशिका तृतीय रहीं। अंडर-14 की 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में दिव्यांशी व विक्रम वेद ने प्रथम, सेजल राठी व गौरी नायक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका मुकेश भारती, शिवेंद्र पाठक, मोहम्मद जीशान, जेके गुप्ता, अरविंद मिश्रा और महेंद्रनाथ पटेल ने निभाई। इस दौरान क्रीड़ा सचिव शैलेंद्र कुशवाहा, क्रीड़ा अधिकारी मिथलेश कुमार, कृष्ण आर्या, किरण वर्मा, हेमंत कुशवाहा, रेखा राजा और उपेंद्र उपाध्याय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बारिश से टूटा दो भाइयों का आशियाना, तिरपाल के नीचे रहने को मजबूर

(यंग भारत न्यूज)
उरई। जालौन के मंगरौल में राजेश अवस्थी और देवी अवस्थी नाम के दो भाइयों पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनका अपना घर पहले ही देखरेख न होने से खराब होकर रहने लायक नहीं बचा था, जिसके बाद गांव के ही कुंवर सिंह पाल ने इसनियत दिखाते हुए उन्हें अपने घर में जगह दी थी। लेकिन इस साल की तेज बारिश में वह घर भी ढह गया। अब पेशे से किसान और पशुपालन करने वाले दोनों भाई तिरपाल और टीन के नीचे गुजर-बसर करने को मजबूर हैं। राजेश और देवी अवस्थी की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। कुछ साल पहले वे रोजगार की तलाश में कालपी में किराए के मकान में रह रहे थे। जब रोजगार छूट गया तो वे गांव लौट आए। गांव में उनका अपना घर लंबे समय से बंद होने और देखरेख न होने के कारण पूरी तरह से खराब हो चुका था। दोनों भाइयों की मजबूरी देखकर गांव के कुंवर सिंह पाल ने उन्हें अपने घर में जगह दी थी। लेकिन इस साल की तेज बारिश में वह घर भी गिर गया। अब दोनों भाइयों के पास रहने का कोई ठिकाना नहीं बचा है। पीड़ित राजेश अवस्थी ने बताया कि पिछले साल उनकी भाभी की मौत हो जाने से घर की स्थिति और भी खराब हो गई है। उन्हें अभी तक किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला है। तत्कालीन सचिव जितेंद्र कुशवाहा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए दो बार सर्वे भी किया था, लेकिन उनका नाम सूची में नहीं आया। राजेश ने बताया कि वे अब तक कुंवर सिंह पाल के घर में ही गुजारा कर रहे थे, जो अब बारिश में गिर गया है। अब वे तिरपाल और टीन के नीचे दिन काट रहे हैं। उन्होंने सरकार से अपील की है कि अगर उन्हें किसी योजना का लाभ मिल जाए तो कुछ राहत मिल सकती है। इस मामले पर सचिव बंदना वर्मा ने कहा कि आवास योजना का लाभ तभी मिल सकता है, जब लेखपाल इसकी रिपोर्ट लगाएंगे। वहीं लेखपाल विनय सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सचिव द्वारा मौके पर जाकर जांच की जाती है और पात्र व्यक्ति को सूची में शामिल किया जाता है, जिसके बाद उन्हें योजना का लाभ मिलता है।

बसपा के कार्यकर्ता और प्रत्याशी चुनाव के लिए नहीं कस पा रहे हैं कमर

बसपा के टिकट ऐलान में खाली रहीं कुर्सियां, कालपी सम्मेलन में भीड़ का टोटा

- अगर यही आलम रहा तो बसपा आ जायेगी टोट कटवा पार्टी की औकात पर
- बसपा मे एक जुटता समर्पण और जीत के झुझारु पन का निनातंत अभाव
- कालपी विधानसभा सीट से वीरपाल सिंह चौहान को बसपा ने बनाया प्रत्याशी
- बुंदेलखंड मंडल जोन प्रभारी की मौजूदगी में हुआ प्रत्याशी के नाम का ऐलान
- कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए लगाई गई थीं बड़ी संख्या में कुर्सियां, कई रहीं खाली
- प्रत्याशी की घोषणा के दौरान भी अपेक्षित भीड़ नहीं दिखी, आयोजन को लेकर चर्चाओं का दौर



रही। हालांकि, कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में कुर्सियां लगाए जाने के बावजूद सम्मेलन में कई कुर्सियां खाली नजर आईं। टिकट की घोषणा जैसे महत्वपूर्ण राजनीतिक कार्यक्रम में अपेक्षित भीड़ नहीं जुटने को लेकर स्थानीय स्तर पर आयोजन को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। बताया गया कि सम्मेलन को भव्य रूप देने के लिए आयोजन स्थल पर टेंट हाउस से बड़ी संख्या में कुर्सियां संगवाकर लगाई गई थीं। कार्यक्रम शुरू होने के बाद मैदान में मौजूद लोगों की संख्या इन इंतजामों के मुकाबले कम दिखाई दी। कई स्थानों पर कुर्सियां खाली पड़ी रहीं। खास तौर पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा के समय भी कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में खाली कुर्सियां नजर आईं। सम्मेलन के दौरान बसपा के बुंदेलखंड मंडल जोन प्रभारी की मौजूदगी में कालपी विधानसभा सीट से वीरपाल सिंह चौहान के नाम की घोषणा की गई। नाम का ऐलान होते ही कार्यक्रम में मौजूद समर्थकों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। समर्थकों ने प्रत्याशी के प्रति उत्साह भी जताया, लेकिन कार्यक्रम स्थल की तस्वीरें और खाली पड़ी कुर्सियां आयोजन में जुटी भीड़ को लेकर अलग

तस्वीर पेश करती नजर आईं। बसपा के लिए यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा था क्योंकि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पार्टी अपने उम्मीदवारों की घोषणा के साथ संगठन को सक्रिय करने में जुटी है। कालपी सीट से वीरपाल सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाए जाने के साथ ही जालौन जिले की दो विधानसभा सीटों पर बसपा अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर चुकी है। ऐसे में प्रत्याशी घोषणा सम्मेलन से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच चुनावी गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद थी। लेकिन सम्मेलन में खाली कुर्सियों की संख्या ने आयोजन की व्यवस्थाओं और जुटाई गई भीड़ को लेकर सवाल खड़े कर दिए। कार्यक्रम को भव्य दिखाने के लिए की गई तैयारियों और मौके पर दिखाई दी भीड़ के बीच अंतर चर्चा का विषय बना रहा। स्थानीय राजनीतिक जानकारों के बीच भी इस बात को लेकर चर्चा रही कि पार्टी की बड़े आयोजन में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भागीदारी अपेक्षा के अनुरूप क्यों नहीं दिखाई दी। हालांकि, किसी एक राजनीतिक कार्यक्रम में जुटी भीड़ के आधार पर पूरे विधानसभा क्षेत्र में किसी दल

के जनसमर्थन का आकलन करना उचित नहीं होगा। फिर भी प्रत्याशी घोषणा जैसे अहम कार्यक्रम में खाली कुर्सियों का नजर आना पार्टी के स्थानीय संगठन और कार्यक्रम प्रबंधन के स्तर पर चर्चा का विषय जरूर बना रहा। बसपा अब कालपी विधानसभा क्षेत्र में घोषित प्रत्याशी के साथ चुनावी गतिविधियों को आगे बढ़ाने की तैयारी में है। पार्टी के सामने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और मतदाताओं के बीच अपनी मौजूदगी बढ़ाने की चुनौती होगी। सम्मेलन में कम दिखाई दी भीड़ के बाद अब यह देखना होगा कि पार्टी आने वाले दिनों में अपने कार्यक्रमों में कितनी भागीदारी जुटा पाती है और घोषित प्रत्याशी के पक्ष में संगठन किस तरह सक्रिय होता है। फिलहाल कालपी में बसपा के टिकट ऐलान का सम्मेलन प्रत्याशी की घोषणा से ज्यादा कार्यक्रम स्थल पर नजर आई खाली कुर्सियों को लेकर चर्चा में है। समर्थकों की तालियों के बीच वीरपाल सिंह चौहान के नाम का ऐलान तो हो गया, लेकिन सम्मेलन की तस्वीरों ने आयोजन की तैयारियों और वास्तविक भीड़ के बीच अंतर को लेकर सवाल जरूर छोड़ दिए हैं।

एमपीडीसी में रोवर रेंजर यूनिट ने मनाया विश्व शांति दिवस

(यंग भारत न्यूज)
कोंच स्थानीय मथुरा प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रोवर रेंजर यूनिट द्वारा विश्व शांति दिवस उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शांति, अहिंसा, भाईचारे, सहयोग और सामाजिक सद्भाव के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2026 के विश्व शांति दिवस की थीम ‘शांति में निवेश करें—हर व्यक्ति के लिए, हर स्थान पर, हर दिन’ निर्धारित की गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र सिंह तथा रोवर रेंजर प्रभारी डॉ भूपेंद्र कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति का नाम नहीं है, बल्कि यह न्याय, समानता, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान पर आधारित जीवन-पद्धति है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने परिवार, महाविद्यालय और समाज में प्रेम, सहयोग तथा संवाद की भावना को बढ़ावा दें। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र सिंह ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि युवा समाज में शांति और सद्भाव के वास्तविक दूत बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मतभेदों का समाधान हिंसा



स्लोगान तथा जागरूकता संदेश प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उपस्थित रोवर प्रभारी डॉ भूपेंद्र कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति का नाम नहीं है, बल्कि यह न्याय, समानता, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान पर आधारित जीवन-पद्धति है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने परिवार, महाविद्यालय और समाज में प्रेम, सहयोग तथा संवाद की भावना को बढ़ावा दें। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र सिंह ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि युवा समाज में शांति और सद्भाव के वास्तविक दूत बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मतभेदों का समाधान हिंसा

गणपति बप्पा की भक्ति की नगर में रही धूम सजे पंडाल, गूंजे जयकारे,हुआ भंडारा, कई जगह अखंड रामायण पाठ का हुआ आयोजन

(यंग भारत न्यूज)
कोंच नगर व ग्रामीण क्षेत्र में गणेश महोत्सव के सातवें दिन गणपति बप्पा की आराधना और पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को



मिला। नगर के विभिन्न स्थानों पर सजे गणेश पंडालों में भगवान गणेश की आकर्षक झांकियां सजाई गईं। शाम होते ही पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी और पूरा नगर भक्ति के रंग में सराबोर हो गया। नगर में आधा सैकड़ से अधिक स्थानों पर गणपति बप्पा विराजमान हैं। गणेश उत्सव समितियों की ओर से पंडालों को भव्य रूप दिया गया है। प्रतिदिन झांकियों और सजावट में बदलाव किया जा रहा है। रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजे पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सुबह से देर शाम तक लोग परिवार के साथ पंडालों में पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं। जगह-जगह पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ भजन-कीर्तन और आरती का आयोजन किया जाता है। शाम की आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस दौरान पंडाल गणपति बप्पा मोरया और अगले बरस तू जल्दी आना के जयकारों से गूंज उठे। कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जबकि पंडालों में भगवान गणेश को मोदक और विभिन्न प्रकार के छपन भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। गणेश पंडालों में महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन के साथ राधा संकीर्तन का भी आयोजन किया रहा है। पोद्दार भवन पर विराजमान बाल गणेश पर महिलाएं देर रात्रि तक भजन कीर्तन करती हैं। वहीं अखंड रामायण पाठ का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कान्हा सोनी, उपाध्यक्ष अंश सोनी, मंत्री लाभ सोनी, उपमंत्री अग्रिम सोनी, पंडा अमित सोनी पूरी व्यवस्था में लगे रहे। अन्य पंडालों की व्यवस्था में जुटे युवा चंदकुआ में पंडा आलोक राठौर, पीयूष पाटकार, टिंकू झा, आकाश, हिमांशु और अमित मोदी जुटे रहे। मालवीय नगर में प्रशांत नगरिया, आकाश, शिव सोनी, नैतिक वाजपेयी और प्रांशु व्यवस्थाओं में लगे रहे। वहीं सुभाष नगर में अल्फो पंडा, प्रिंस यादव, नकुल, हर्ष, अर्पित, अंभ, अंकित, शिवम, मिलन, शिव, देव और जीतू सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाएं संभालीं। नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी गणेश महोत्सव को लेकर उत्साह बना हुआ है। घरों और पंडालों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। देर रात तक श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा।

किशोरी से छेड़खानी के आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। किशोरी से 20000 रुपये लेने के बाद युवक उसे बाइक पर बैठकर बंगरा रोड ले गए। जहां युवक उसके साथ छेड़खानी करने लगे। विरोध करने पर धमकाया भी। पीड़िता ने मामले की तहरीर कोतवाली में दी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र निवासी एक 15 वर्षीय किशोरी ने पुलिस को बताया कि उसकी पहचान तोपखाना मोहल्ला निवासी रिहान और दलालनपुरा निवासी राघवेंद्र के साथ थी। रिहान ने उससे 20000 रुपये उधार मांगे थे। किसी तरह उसने रुपये इकट्ठा करके उसे दे दिए। जब उसने रुपये वापस मांगे तो बीती 16 सितंबर को रिहान ने उससे कहा कि वह बाइक पर उसके साथ चले और वह उसे रुपये वापस दे देगा। बाइक पर रिहान और राघवेंद्र उसे बंगरा रोड पर ले गए। बंगरा रोड पर पहुंचकर वह दोनों उसके साथ छेड़खानी करने लगे। जब उसने विरोध किया तो वह धमकाने लगे। किसी तरह वह उनसे बचकर घर आ गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल हरिश्चक्र चंद ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जो उचित होगा कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में आगामी दशहरा मेला एवं रावण दहन के भव्य आयोजन को लेकर चर्चा हुई



जालौन-उरई। श्रीरामलीला समिति जालौन के तत्वाधान में दशहरा महोत्सव 2026 के आयोजन को लेकर आयोजित बैठक में आगामी दशहरा मेला एवं रावण दहन के भव्य आयोजन को लेकर चर्चा हुई। साथ ही दशहरा मेला समिति के गठन में सर्वसम्मति से अनिल पुरवार को समिति का अध्यक्ष एवं गुड्डन भदौरिया को महामंत्री चुना गया, जबकि शेष पदाधिकारियों का चयन अगली बैठक में किया जाएगा। श्रीराम लीला समिति की के तत्वाधान में दशहरा मेला समिति की बैठक का आयोजन बस स्टैंड स्थित सिटी कॉम्प्लेक्स में शशिकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पांच अक्टूबर से शुरू हो रहे श्रीरामलीला महोत्सव के आयोजन, दशहरा मेला स्थल की व्यवस्था, सुरक्षा, कलाकारों और चंदा सहित विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श हुआ। समिति की बैठक में दशहरा मेला एवं रावण दहन समिति वर्ष 2026 का प्रारंभिक गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अनिल पुरवार को समिति का अध्यक्ष एवं गुड्डन भदौरिया को महामंत्री चुना गया। शेष पदाधिकारियों का चयन अगली बैठक में किया जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में दीपक मित्तल, रामनरेश तिवारी पम्पू महाराज, राजा सिंह सेंगर, प्रेमदास गुप्ता भूरे मामा, रामशरण विश्वकर्मा, गौरीश द्विवेदी, सुरेशराव डोंगरे, गोपाल पुरवार, धर्मेन्द्र सिंह चौहान, संजू साहू, सोमिल याज्ञिक, दीपू तिवारी, संजीव पटेल, रामनारायण शिवहरे, संजीव पटेल, हरिश्चंद्र वर्मा, डॉ. आयुष दुबे आदि रहे।

बुढ़वा मंगल के महापर्व को देखते हुए हनुमान मंदिरों में तैयारियां पूर्ण

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। बुढ़वा मंगल के महापर्व को देखते हुए हनुमान मंदिरों में तैयारियां पूरी हो गई हैं। नगर के प्रमुख हनुमानजी के मंदिरों में साफ, सफाई व साज, सज्जा का काम हो चुका है। हनुमान मंदिरों के आसपास दुकानें भी लगने लगी हैं। भाद्रपद मास के आखिरी मंगलवार को बुढ़वा मंगल के रूप में मनाया जाता है। बुढ़वा मंगल के पर्व को लेकर लोगों में विशेष आस्था है। इसीलिए हनुमान भक्त इसे त्योहार के रूप मनाते हैं। उरई मार्ग स्थित वीर बालाजी हनुमानजी मंदिर, फाटक वाले हनुमान मंदिर, 21 फुटा हनुमान मंदिर, हनुमंत साधना धाम, काली माता मंदिर के पास स्थित हनुमान मंदिर में बुढ़वा मंगल को लेकर विशेष तैयारियां चल रही है। यहां पर हनुमानजी की प्रतिमा को सजाया गया है। इसके साथ ही मंदिर की साफ सफाई व साज सज्जा का काम पूरा कर लिया गया है। मंदिर के पुजारी कमलेशजी ने बताया कि बुढ़वा मंगल के मौके पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा और हनुमानजी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इसके साथ नगर में अखंड रामायण पाठ और जगह जगह भंडारे का आयोजन किया जाएगा।



करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)
कोटरा-उरई। थाना कोटरा क्षेत्र के ग्राम बरसार में सोमवार को करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार ग्राम बरसार निवासी अरुण राजपूत (44 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय बालादीन राजपूत किसी तरह करंट की चपेट में आ गए। परिजन आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए उरई जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अरुण राजपूत की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक की पत्नी भगवती राजपूत (40 वर्ष) कारो-रोकर बुरा हाल है। उनके परिवार में एक पुत्र रतन राजपूत (12 वर्ष) और पुत्री रोशनी (20 वर्ष) हैं। पिता की अचानक मौत से बच्चों सहित पूरे परिवार का दुख से बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाते हुए परिजनों को इस दुख की घड़ी में हिम्मत रखने की बात कही।



अवैध अतिक्रमण करने वाले लोगों पर 31000 रु का जुर्माना वसूला गया ईट,मौरम सड़क के किनारे पाए गए किये गये जव्त

(यंग भारत न्यूज)
उरई नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार ने झांसी रोड उरई में अवैध अतिक्रमण अभियान चलाया जिसमे अवैध अतिक्रमण करने वाले लोगों पर कुल रु0 31000 का जुर्माना वसूला गया और साथ ही अवैध रूप से ईट,मौरम सड़क के किनारे पाए गए जिसको जब्त कर लिया गया। नगर मजिस्ट्रेट ने सख्त ह्दियायत दी कि 02 दिवस के अंदर अवैध अतिक्रमण हटा लिए जाए अन्यथा की स्थिति में कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान निरन्तर चलाया जाएगा, नगर में अवैध अतिक्रमण किसी भी दशा में बर्दाश्त नही किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कर अधीक्षक सहित नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।



पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि की कार के चालक के साथ एक युवक ने मारपीट की

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि की कार के चालक के साथ एक युवक ने मारपीट कर दी। पीड़ित कार चालक की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अकोढ़ी दुबे निवासी रमजान ने पुलिस को बताया कि वह पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि का कार चलाता है। सोमवार को जब वह कार लेकर निकल रहा था। तभी मोहल्ला चिमनदुबे निवासी आयुष उसके साथ गाली, गलौज करने लगे। मना करने पर उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है।

श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग का वर्णन किया



जालौन-उरई। बाराहों देवी मेला मैदान में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पंडित रमाकांत व्यास ने श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग का वर्णन किया। दूसरे दिन कथा व्यास पंडित रमाकांत व्यास ने भागवत कथा का महात्म्य बताते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत पुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान है। भागवत कथा मनुष्य को धर्म, सत्य, करुणा और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भागवत कथा का श्रवण करता है, उसके जीवन के अनेक कष्ट स्वतः ही दूर होने लगते हैं और मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति का अंतर्मन शुद्ध होता है और उसे ईश्वर के निकट होने का अनुभव प्राप्त होता है। राजा परीक्षित के जन्म की कथा का वर्णन कर बताया कि राजा परीक्षित का जन्म महाभारत युद्ध के बाद हुआ था। अश्वत्थामा द्वारा छोड़े गए ब्रह्मास्त्र से गर्भ में स्थित शिशु को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं गर्भ में प्रवेश कर बालक की रक्षा की। इसी कारण बालक का नाम परीक्षित पड़ा, क्योंकि वह जन्म से ही भगवान का साक्षात दर्शन कर चुका था। राजा परीक्षित की कथा हमें यह सिखाती है कि ईश्वर अपने भक्तों की हर परिस्थिति में रक्षा करते हैं और सच्चे भक्त को कभी निराश नहीं करते। इस मौके पर पारोक्षित पुष्पा याज्ञिक, ओमप्रकाश याज्ञिक, संतोष निरंजन, विजयशंकर, मखंचू, रामनरेश, बृजकिशोर, अवध किशोर, रामप्रताप, राजकुमार, किशोर सिंह, हेमलता, किशोरी, आनंदी, सुष्मा आदि रहे।



